प्रेस विज्ञप्ति

गंगा के किनारे कबीर की सीख के प्रवाह के साथ महिन्द्रा कबीरा फेस्टिवल का रंगारंग समापन हुआ

महोत्सव के अंतिम दिन गायक कैलाश खेर ने अस्सी घाट पर अपने गायन से दर्शकों का दिल जीत लिया

मीडिया किट – फोटोग्राफ एवं महोत्सव की घोषणाएं शामिल है

वाराणसी, 12 नवम्बर, 2017: कबीर पर आयोजित, अविस्मरणीय संगीत प्रस्तुतियों और व्याख्याओं के साथ वाराणसी में आयोजित तीन दिन के महिन्द्रा कबीरा फेस्टिबल के दूसरे संस्करण का समापन आज शाम हो गया।

आज सुबह दरभंगा घाट पर उत्साही लोगों की भारी भीड़ के बीच गायक हरप्रीत सिंह ने कबीर के दोहों के अलावा बाबा बुल्लेशाह, अवतार सिंह ''पाश'', सूर्यकांत त्रिपाठी ''निराला'' के गीतों एवं कविताओं पर आधारित अपने एकल गायन के जरिए लोगों का मन मोह लिया। उनकी गायन प्रस्तुतियों में – ना मैं धर्मी, ना अधर्मी, साई से लगन कठिन है भाई और अनेक अन्य गीत भी शामिल रहे।

इसके बाद बनारस घराने की प्रतिभाशाली गायिका सुचित्रा गुप्ता ने अपनी भावपूर्ण आवाज के साथ अपनी प्रस्तुति पेश की। सुगम शास्त्रीय गायन की अपनी अनूठी शैली में उन्होंने ''कौन ठगवा नगरिया लूटन हो'' और ''मोरे सैया निकस गए मैं ना लड़ी थी'' गीत पेश किए। तबले पर पंडित ललित कुमार तथा हारमोनियम पर डा. इंद्रदेव चौधरी ने उनका साथ दिया।

दिन चढ़ने के साथ साहित्य सत्र – **वर्ड्स आन वाटर** का आयोजन हुआ जिसमें लेखक विनायक साप्रे ने अपनी पुस्तक ***दोहानोमिक्स*** के बारे में चर्चा की तथा उपस्थित दर्शकों के साथ निजी वित्त एवं निवेश के संदर्भ में कबीर के दोहों के बारे में अपनी अनूठी व्याख्याओं को साझा किया। उन्होंने बहुत ही रोचक तरीके से बिल्कुल नए अंदाज में कबीर की दृष्टि से स्टॉक एवं म्युचल फंड की आर्थिक अवधारणाओं की व्याख्या की। कबीर वाणी से मिली सीख से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने निवेश करने के व्यवहारात्मक पहलू के बारे में भी बात की जो निवेशक के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि भारत में वित्तीय निवेश के बारे में चर्चा नहीं होती है, लेकिन हम कबीर की सीखों के साथ ही जीवन में आगे बढ़े हैं। चूंकि निजी निवेश मुख्य तौर पर मानव व्यवहार पर ही निर्धारित है मैंने सोचा कि क्यों ना मैं कबीर की सीखों का सहारा लूं। जब मैंने उन्हें पढ़ा तो मैंने पाया कि उनके शब्दों से निजी वित्त के बारे में काफी सीखें ली जा सकती है।

दोपहर को यात्राओं का आयोजन हुआ जिसके तहत इस सम्मेलन में भाग लेने आए अतिथियों को वाराणसी के मदनपुर क्षेत्र में ले जाया गया जहां बुनकर उद्योग भी है। अतिथियों को जामदानी, पटोला, बनारसी, बूटी, असली जरी आदि से रूबरू होने का

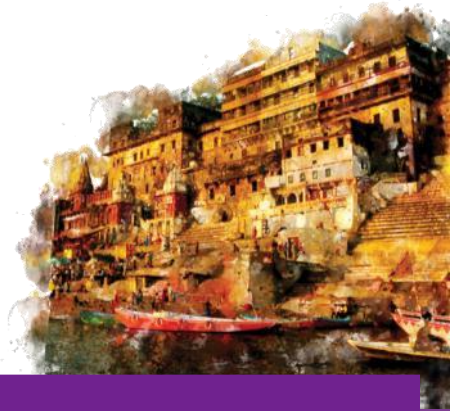

मौका मिला। इन यात्राओं से कबीर के रहस्यवाद को भी समझने में मदद मिली। इस दौरान भागीदारों को उन स्थानों पर ले जाया गया जिनका सांस्कृतिक महत्व है। इसके अलावा इन्होंने शहर के नामी पकवान स्थलों पर जाकर पारम्परिक स्वाद का भी आनंद लिया।

सूर्यास्त के साथ साथ अस्सी घाट पर शाम के समारोह की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और महिन्द्रा कबीरा मंच पर भव्य गंगा आरती से हुई। नाथू लाल सोलंकी और उनकी टोली ने नगाड़ों और शंख की ध्वनि से घाटों में गूंज भर दी। फिर हरप्रीत सिंह और उनके साथियों ने कई लोक प्रिय गाने जैसे ''माया महा ठगनी'' ''गंगा की ओट'' और ''बब्ली बनारसी'' से लोगों का मन जीत लिया।

इसके बाद मंच पर माटी बाणी की जोड़ी कार्तिक शाह और निराली कार्तिक ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी जिसमें उन्होंने लोक एवं सामयिक शैलियों को पेश किया। उन्होने कबीर, बुल्लेशाह, मीराबाई और अन्य कवियों की कविताओं एवं दोहों को प्रस्तुत करते हुए वहां उपस्थित दर्शकों को आनंदित किया।

आज के आयोजन का खास आकर्शण कैलाश खेर एवं उनके बैंड कैलासा की भव्य प्रस्तुति रही जिसे सुन कर दर्शक झूम उठे। उनकी अविस्मरणीय प्रस्तुति के साथ महिन्द्रा कबीरा फेस्टिवल के दूसरे संस्करण का समापन हुआ।

~~~

Entry: Free Registration for Morning and Evening Music Performances and Literature Afternoons on Saturday and Sunday.

For more information on the Festival please visit
http://mahindrakabira.com/delegate-experience/

~~~

For media queries, please contact:

Teamwork Arts
Vidushi Khera: +91 9810498106, vidushi@teamworkarts.com

Zimisha Communications
Imtiaz: 9810227818, imtiaz@zimisha.com
Santosh: +919990937676, santosh@zimisha.com

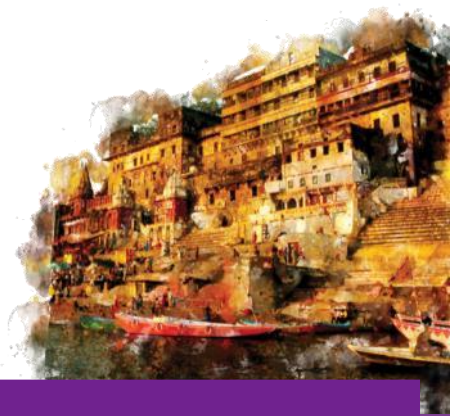

Anushree: +919599840520, pr@zimisha.com

NOTES TO EDITORS

About Mahindra

The Mahindra Group is a USD 19 billion federation of companies that enables people to rise through innovative mobility solutions, driving rural prosperity, enhancing urban living, nurturing new businesses and fostering communities. It has a leadership position in utility vehicles, information technology, financial services and vacation ownership in India and is the world's largest tractor company, by volume. It also enjoys a strong presence in agribusiness, components, commercial vehicles, consulting services, energy, industrial equipment, logistics, real estate, steel, aerospace, defence and two wheelers. Headquartered in India, Mahindra employs over 200,000 people across 100 countries.

Learn more about Mahindra on www.mahindra.com / Twitter and Facebook: @MahindraRise

About Teamwork Arts: For over 25 years, Teamwork Arts has taken India to the world and brought the world to India. In countries such as Australia, Canada, Egypt, France, Germany, Hong Kong, Italy, Israel, Korea, Singapore, South Africa, Spain, UK and USA, Teamwork produces over 25 highly acclaimed performing arts, visual arts, and literary festivals across more than 40 cities. Teamwork Arts produces one of the world's largest free literary gatherings, the annual ZEE Jaipur Literature Festival, the Ishara International Puppet Festival and the annual Mahindra Excellence in Theatre Awards (META) and Festival in New Delhi, international festivals Shared History in South Africa, Eye on India in the United States of America, India by the Bay in Hong Kong, Confluence-Festival of India in Australia, India@70 2017: Year of Culture in the United Kingdom, and many more.
Website: www.teamworkarts.com

-ENDS-